हॉस्टल के सामने फेंक रहे मेडिकल वेस्ट

हमीदिया : खुले में डंप किया गया मेडिकल वेस्ट

बिना सुरक्षा किट के मेडिकल वेस्ट उठाते कर्मी

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 20 जुलाई. हाईटेक हमीदिया अस्पताल में इन दिनों नियमों की धज्जियां इस तरह उड़ रही हैं कि परिसर में जहां एक तरफ मरीजों का इलाज चल रहा है, वहीं दूसरी तरफ खुले में बायोमेडिकल वेस्ट का पहाड़ खड़ा हो रहा है.

अस्पताल से आने वाले इस मेडिकल वेस्ट में इस्तेमाल की गई सिरिंज, यूरिन बैग, खून से सने ग्लव्स, पट्टियां और मानव अंग के अपशिष्ट शामिल हैं, जो संक्रामक बीमारियों का स्रोत हैं और इन्हें नर्सिंग गर्ल्स हॉस्टल के ठीक सामने खुले में डंप किया जा रहा है. जिससे आसपास बदबू तो फैल ही रही है बल्कि छात्रावास में रहने वाली छात्राओं का हाल भी बदहाल है. जानकारी के अनुसार कचरा उठाने वाली गाड़ी कई दिनों तक नहीं आती. जिसके कारण हफ्तों से ज्यादा तक वेस्टेज खुले में पड़े रहते हैं. इतना ही नहीं इन कचरों को उठाने के लिये जिन कर्मियों को लगाया गया है, उन्हें न तो मास्क दिया जाता है और न ही कोई किट दी जाती है. जिससे मजबूरन कर्मियों को बिना स्वास्थ्य सुरक्षा के इन अपशिष्ट पदार्थों को उठाना पड़ रहा है.

विशेषज्ञों के अनुसार खुले में बायोमेडिकल वेस्ट के पड़े रहने से और कर्मियों को सुरक्षा किट न देने से उन्हे एचआईवी, हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी और वायरल संक्रमण फैलने का खतरा रहता है.

वेस्ट उठाने वालों के लिए सुरक्षा नियम

बायोमेडिकल वेस्ट को उठाने वाले कर्मियों को संक्रमण, चोट और खतरनाक रसायनों से बचाने के लिए विशेष व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण दिए जाते हैं .जिसमें इन्हें मोटे और मजबूत रबर या नाइट्राइल से बने दस्ताने दिए जाते हैं .जो सुई चुभने या कांच से कटने के खतरे को रोकते हैं .साथ ही पैरों की सुरक्षा के लिए घुटनों तक लंबे रबर के जूते, एन 95 मास्क, फेस शील्ड, वॉटरप्रूफ एप्रन या गाउन और सिर ढंकने के लिए डिस्पोजेबल कैप दी जाती है .जिससे इन्हें संक्रमण से होने से सुरक्षा मिल सके .इस मामले में जीएमसी डीन कविता एन. सिंह से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन बात नहीं हो सकी.

> अस्पताल से निकले वाले ऐसे अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण के लिए किसी कंपनी से एमओयू होता है. जिसके माध्यम से कर्मियों द्वारा कचरे को गाड़ी में भरकर निस्तारण के लिये ले जाया जाता है. नियमानुसार कचरे को उसी दिन हटाया जाता चाहिए.
> **मनीष शर्मा,** सीएमएचओ, भोपाल

कहां गई अवैध खनन की जांच रिपोर्ट

कार्रवाई

- अवैध खनन करने वालों को बचाने में लगे अधिकारी
- जांच अधिकारी ने खनिज अधिकारी को सौंप दी थी रिपोर्ट
- जिला खनिज अधिकारी बोले- मुझे नहीं मिली

06 जुलाई को हो चुकी थी जांच रिपोर्ट तैयार

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 20 जुलाई. हुजूर तहसील के ग्राम रोजीवे में हुए अवैध खनन के मामले में अब एक नई जानकारी सामने आई है. जिला खनिज अधिकारी मेहताब सिंह रावत का कहना है कि मुझे अवैध खनन की जांच की रिपोर्ट नहीं मिली है.

इस मामले में 30 जून को तहसीलदार शुभम जैन और सहायक खनिज अधिकारी सुचि माथुर ने कार्रवाई कर अवैध खनन पर रोक लगाते हुए पोकलेन और डंपर को जब्त किया था. उसके दो दिन बाद जांच रिपोर्ट तैयार की गई. बाद में पता चला की कलेक्टर ने कुछ कमिया बताकर जांच रिपोर्ट वापस कर दी और दोबारा जांच की गई जो 6 जुलाई को पूरी हो चुकी थी.उसके बाद से जानकारी मिली थी कि जांच रिपोर्ट जिला खनिज अधिकारी मेहताब सिंह रावत को दे दी गई है, जो कलेक्टर प्रियंक मिश्रा को सौंपी जाना थी. दूसरी बार की जांच रिपोर्ट में अवैध खनन कर 40 लाख 40 हजार रुपए कीमत की मिट्टी को बेचना पाया गया. जिसकी वसूली संबंधित खनन कारोबारी से वसूल की जाना थी.

कुछ दिन पहले खनिज विभाग से जानकारी मिली थी कि जिला खनिज अधिकारी ने फाइल कलेक्टर को सौंपी थी, लेकिन कलेक्टर ने जांच में खामियां होने से फिर जांच के लिए फाइल वापस कर दी है. लेकिन खनिज अधिकारी ने बताया कि मुझे जांच रिपोर्ट नहीं मिली है. कलेकटर कार्यालय में कहीं होगी.

> खनन खनन के इस मामले की जांच रिपोर्ट अभी तक नहीं आई है . रिपोर्ट मिलने के बाद ही नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी .
> **महेंद्र सिंह कवचे,** एडीएम

कलेक्टर कार्यालय कैसे पहुंची जांच रिपोर्ट

जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि कलेक्टर कार्यालय में जांच रिपोर्ट होगी मुझे नहीं मालूम हैं . तो सवाल यह उठता है कि कलेक्टर कार्यालय में जांच रिपोर्ट किसने भेजी और वह कहां पर रखी है . सहायक खनिज अधिकारी व जांच अधिकारी सुचि माथुर ने पूर्व में बताया था कि हमने जांच पूरी कर रिपोर्ट जिला खनिज अधिकारी को सौंप दी है . प्रतीत होता है कि अवैध उत्खनन करने वालों को बचाने की कोशिश की जा रही है, क्योंकि कार्रवाई के 20 दिन बाद भी अभी तक जिला खनिज अधिकारी ने नोटिस नहीं दिया है .

डॉक्टर को दुष्कर्म में फंसाने की धमकी

महिला पर 20 लाख लेने और 25 लाख और मांगने का आरोप

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 20 जुलाई. अरेरा कॉलोनी रहवासी एक सरकारी डॉक्टर को ब्लैकमेल कर दुष्कर्म के झूठे मामले में फंसाने की धमकी देने का मामला सामने आया है.

डॉक्टर ने हबीबगंज थाने में मामले की शिकायत दर्ज कराई है. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है. जानकारी के मुताबिक डॉ. हिमांशु जायसवार ने एक महिला के खिलाफ केस दर्ज कराया है. हिमांशु का आरोप है कि उनकी पत्नी से महिला ने पहले दोस्ती की. इसके बाद वह घर आने-जाने लगी. हिमांशु का आरोप है कि महिला ने खुद को लाचार और बीमारी से ग्रसित बताते हुए उधारी के तौर पर पैसे लेना शुरू किया. अगस्त-2025 में रुपए वापस करने के बहाने से हिमांशु को अपने घर बुलाया और झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर 25 लाख रुपए मांगे. हिमांशु ने बदनामी के डर से 20 लाख रुपये दिए.

पीड़ित ने आरोप लगाया है कि महिला ने उनकी पर्सनल कुछ फोन कॉल और वॉट्सएप चैट वायरल करने धमकी भी दी. इसके बदले महिला ने 25 लाख रुपये और मांगे. रुपए नहीं देने पर वह दुष्कर्म के झूठे केस में फंसाने की धमकी दे रही है.

10 तक पुराने सचिवालय के सभी कार्यालय शिफ्ट हों : संभागायुक्त

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 20 जुलाई. संभागायुक्त कार्यालय में री-डेंसीफिकेशन के संबंध में आयुक्त कर्मवीर शर्मा ने बैठक ली.

पुराने सचिवालय स्थित सभी कार्यालय को शिफ्ट करने को लेकर चर्चा की गई. बैठक में आयुक्त ने कहा कि जिस तरह महिला एवं बाल विकास,कृषि,श्रम,अनुसूचित जाति एवं जनजाति कार्यालय संबंधित विभागों के मुख्यालय में शिफ्ट किए गए हैं, ठीक उसी तरह मौजूदा कलेक्ट्रेट से लेकर संभागायुक्त कार्यालय परिसर तक जितने कार्यालयों की शिफ्टिंग नहीं हुई है, उनकी जल्द ही शिफ्टिंग शुरू की जाए किसी भी हाल में 10 अगस्त तक शिफ्टिंग पूरी हो जानी चाहिए. बैठक में संयुक्त आयुक्त डॉ. विनोद यादव, डीआईजी देहात राजेश सिंह चंदेल,एडीएम पीसी शाक्य सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे.

नशे के इंजेक्शन बेचने वाले गिरोह का खुलासा

02 आरोपी गिरफ्तार, 40 इंजेक्शन जब्त

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 20 जुलाई. पिपलानी पुलिस ने युवाओं और मजदूरों को नशे के इंजेक्शन बेचने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का खुलासा किया है. पुलिस को भारी संख्या मे नशीले इंजेक्शन मिले, जिन्हें जब्त कर लिया गया. पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. इन्जेक्शन सप्लाई के तार उत्तरप्रदेश से जुड़े हैं. आरोपीगण महंगे खर्च पूरा करने के लिए इंजेक्शन बेचते थे. आरोपियों से पूछताछ के आधार पर भोपाल मे कई अन्य जगह पर दी दाबिश दी जाएगी.

पुलिस के मुताबिक सूचना मिली थी कि रत्नागिरी तिराहे के पास जंबूरी मैदान गेट के सामने दो व्यक्ति अंधेरे में खड़े होकर नशीले इंजेक्शन बेच रहे हैं. दोनों आरोपियों को इंजेक्शन बेचते हुए पुलिस ने पकड़ा. पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम दक्ष यादव (32) और बल्लू कुचबंदिया (27) निवासी कैंची छोला बताया. आरोपीगणो कि तलाशी लेने पर उनके पास 2 एमएल क्षमता वाले 40 इंजेक्शन (कुल 80 एमएल नशीली दवा) पाए गए. साथ ही 5 सेट नीडल, जिनमें प्रत्येक में 10-10 नीडल थीं, कुल 50 नीडल बरामद की गईं. गौरतलब है छोलामंदिर पुलिस ने भी एक महिला के घर दबिश लेकर 88 नशीले इंजेक्शन जब्त कर उसे गिरफ्तार किया था.

नशे का इंजेक्शन लेने वाले युवक की मौत

भोपाल. कोलार इलाके में नशे का इंजेक्शन लेने के आदी एक युवक की मौत हो गई . सोमवार को युवक के शरीर पर कई इंजेक्शन के निशान देखे गए हैं . युवक ने रात में इजेक्शन को ओवरडोज लिया था और सुबह वह नहीं उठा . पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है . जानकारी के मुताबिक अक्षय काकोड़िया ओम नगर में रहता था . वह बीते कई महीने से नशे का इंजेक्शन ले रहा था . मृतक के भाई दीपक काकोड़िया ने पुलिस को बताया कि वह परिवार में वह सबसे बड़ा था . अक्षय एक गैस एजेंसी में काम करता था . रविवार को वह रात के समय घर के खाली जगह पर नशा करने के बाद वहीं सो गया था . सुबह अक्षय जब बहुत देर तक नहीं उठा तो मोहल्ले के लोगों ने उसे उठाने की कोशिश की . उसके शरीर में कोई भी हलचल नहीं होने पर इसकी सूचना कोलार पुलिस को दी गई . अक्षय को तुरंत ही अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया .

इस्तीफे की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 20 जुलाई. देशभर में पेपर लीक के मामलों को लेकर उठ रही विरोध की लहर भोपाल में भी देखने को मिली.दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित संसद मार्च के समर्थन में राजधानी के ज्योति टॉकीज चौराहे पर छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों ने जोरदार प्रदर्शन किया.

प्रदर्शनकारियों ने वर्तमान शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था पर गहरा असंतोष व्यक्त किया.प्रदर्शन के दौरान छात्र नेताओं ने कहा कि देश की परीक्षा प्रणाली पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है.एक के बाद एक लगातार पेपर लीक हो रहे हैं लेकिन जिम्मेदार लोग इसकी जवाबदेही लेने से बच रहे हैं.ऐसे में युवाओं और विद्यार्थियों के पास आंदोलन के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है.इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने मांग रखी कि उच्च शिक्षा मंत्री अपने पद से तुरंत इस्तीफा दें और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी को भंग किया जाए.इसके साथ ही पूरी व्यवस्था में शामिल भ्रष्ट लोगों को बाहर कर उन पर सख्त कार्रवाई की जाए.साथ ही छात्र संगठनों ने आम जनता से भी अपील की है कि वे शिक्षा व्यवस्था को बचाने के लिए इस आंदोलन से जुड़ें.अखिल भारतीय लोकतांत्रिक छात्र संगठन के जिला सचिव सतीश ओझा के अनुसार इस विरोध प्रदर्शन को विभिन्न छात्र संगठनों का व्यापक समर्थन मिला और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए.

मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र को आर्थिक मॉडल बनाएं : आयुक्त

भोपाल. संभागीय कार्यालय में सोमवार को भोपाल विकास प्राधिकरण के कार्यों की समीक्षा बैठक हुई जिसमें संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने कहा कि जब तक संबंधित विभाग के अधिकारी-कर्मचारी आपस में समन्वय बनाकर काम नहीं करेंगे, तब तक भोपाल मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र को आर्थिक विकास का मॉडल बनाना मुश्किल होगा. हम सभी का एक ही लक्ष्य होना चाहिए कि मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र को आर्थिक मॉडल बनाएं. इसके लिए सभी के समन्वय से काम करना जरूरी है. डेमोग्राफी, मोबिलिटी और ट्रांसपोर्टेशन, इकॉनमी, इकोलॉजी और प्राकृतिक संसाधन, फिजिकल और सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे मुख्य विषयों पर ध्यान दें.

दिव्यांगजनों के लिए राष्ट्रीय सुगम्यता अभियान की मांग

सिटी रिपोर्टर

भोपाल, 20 जुलाई. उद्दीप सोशल वेलफेयर सोसायटी की संस्थापक एवं दिव्यांग अधिकार कार्यकर्ता पूनम श्रोती ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर देशभर में दिव्यांगजनों के लिए सुगम्यता सुनिश्चित करने हेतु तत्काल राष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई की मांग की है.

उन्होंने सभी सरकारी और निजी संस्थानों में निष्पक्ष एवं प्रभावी सुगम्यता कार्ययोजना लागू करने तथा राष्ट्रव्यापी सुगम्यता ऑडिट कराने का आग्रह किया है. पूनम श्रोती ने पत्र में बताया कि वे ऑस्टियोजेनेसिस इम्परफेक्टा से पीड़ित हैं और पूरी तरह व्हीलचेयर पर निर्भर हैं. हाल ही में हाथ में फ्रैक्चर होने के बाद एक साधारण एक्स-रे करवाने में भी उन्हें केवल इसलिए परेशानी हुई क्योंकि संबंधित डायग्नोस्टिक सेंटर व्हीलचेयर उपयोगकर्ताओं के लिए सुगम नहीं था.

डेढ़ माह की बच्ची को ऑटो में छोड़ने वालों का नहीं चला पता

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 20 जुलाई. रेलवे स्टेशन परिसर में 10 जुलाई को ऑटो में मिली एक डेढ़ महीने की मासूम बच्ची के परिजनों का पता नहीं चला है. इस बच्ची को ऑटो में कौन छोड़ गया था, यह भी सामने नहीं आया है.जीआरपी की एक टीम बच्ची के परिजन की तलाश पुणे में कर रही है.

जीआरपी थाना प्रभारी जहीर खान ने बताया कि पुणे में एक टीम बच्ची के परिजनों की तलाश कर रही है. परिजन भोपाल से जनरल टिकट लेकर पुणे जाने वाली एक ट्रेन से गए थे. पुणे स्टेशन से वह सभी जिस रूट से गए, तकनीकी के आधार पर उस जगह की सर्चिंग की जा रही है. भोपाल में बच्ची को ऑटो में छोड़ने वाली दो महिला और एक पुरुष सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए हैं. उन्होंने बताया कि मासूम को गोद लेने के लिए भी कई लोग सामने आ रहे हैं. बच्ची को एनजीओ के संरक्षण में सुरक्षित रखा गया है. गौरतलब है कि बच्ची को रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म-6 की तरफ स्टैंड पर खड़े ऑटो में रोते देखा गया था. ऑटो चालकों ने बच्ची की आवाज सुनकर उसके परिजनों को तलाशा. बाद में मामले की सूचना पर जीआरपी परिजनों की तलाश कर रही है.

परिवार से बिछड़ा नाबालिग जीआरपी को मिला

भोपाल. अपने परिवार से बिछड़े एक नाबालिग लड़के की जीआरपी की टीम ने पहचान की. उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के रहने वाले लड़के के पिता को फोन पर सूचना देकर भोपाल बुलाया गया है. जीआरपी के मुताबिक रेलवे स्टेशन चौकिंग के दौरान एक 15 साल का नाबालिग लड़का घूमता दिखा. लड़के से पूछताछ करने पर उसने अपने गांव का नाम बताया. लड़के ने पुलिस को बताया कि उसका गांव यूपी के बस्ती जिले में है. वह अपने परिवार से भटक कर भोपाल आ गया. लड़के के पिता को इसकी सूचना देकर जीआरपी ने बुलाया है. नाबालिग का मेडिकल परीक्षण कराते हुए उसे एक स्वयं सेवी संस्था में रखा गया है.

243 अधिकारियों-कर्मचारियों को पदोन्नति

नगर निगम : सबसे अधिक तृतीय श्रेणी कर्मचारी हुए पदोन्नत

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 20 जुलाई. नगर निगम ने सोमवार को 243 अधिकारियों और कर्मचारियों की पदोन्नति के आदेश जारी कर दिए है. जबकि पदोन्नति के लिए वरिष्ठता की सूची 638 कर्मचारियों की बनाई गई थी.

निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर सामान्य प्रशासन विभाग ने पात्र अधिकारियों और कर्मचारियों की पदोन्नति प्रक्रिया पूरी करते हुए विभिन्न संवर्गों में आदेश जारी किए हैं. पदोन्नति आदेशों के अनुसार प्रथम श्रेणी में मुख्य अभियंता के एक पद पर पदोन्नति की गई है. द्वितीय श्रेणी में 13 सहायक यंत्री और दो स्वच्छता अधिकारियों को उच्च पदों पर पदोन्नत किया गया है. वहीं सबसे अधिक लाभ तृतीय श्रेणी के कर्मचारियों को मिला है.

तृतीय श्रेणी में 65 सहायक ग्रेड-2, 58 स्वच्छता पर्यवेक्षक, 42 उप स्वच्छता पर्यवेक्षक, 26 उप स्वास्थ्य निरीक्षक, 14 सहायक ग्रेड-3, छह लेखापाल, छह उद्यान पर्यवेक्षक, तीन मुख्य स्वच्छता निरीक्षक, तीन सहायक ग्रेड-1, दो उद्यान निरीक्षक, एक उपयंत्री और एक स्वच्छता निरीक्षक को पदोन्नति दी गई है. बताया जाता है कि नगर निगम में हाईकोर्ट के आदेश के बाद पदोन्नति के लिए वरिष्ठता की सूची तैयार की गई थी,जिमसें सभीं श्रेणियों के 638 कर्मचारियों और अधिकारियों की सूची तैयार की गई थी. जिसमें से सिर्फ 243 कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ मिला है.

> **हाईकोर्ट जा सकते हैं कर्मचारी**
> सूत्रों के अनुसार निगम ने जो पदोन्नति की सूची जारी की है, उनमें वरिष्ठता को अनदेखा किया गया है . जिससे जो कर्मचारी वंचित रह गए हैं, वह हाईकोर्ट में याचिका दायर करने की तैयारी में है .

जबरन शादी-दुष्कर्म के आरोपी को भेजा जेल

मानव तस्करी के एंगल से जांच कर रही है पुलिस

आरोपी के पास लड़की पहुंचाने वालों की तलाश

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 20 जुलाई. नाबालिग लड़की से जबरल शादी और दुष्कर्म के आरोपी को न्यायालय ने जेल भेज दिया है.शाहपुरा पुलिस नाबालिग लड़की को आरोपी गणेश के पास पहुंचाने वाले दंपति की तलाश कर रही है.

आरोपी दंपति की तलाश में पुलिस की एक टीम बिहार गई है.16 वर्षीय पीड़िता के बयान के आधार पर पुलिस मामले में मानव तस्करी के एंगल से भी जांच कर रही है. पुलिस की सूचना पर नाबालिग के पिता भी बिहार से भोपाल आए और बेटी से मुलाकात की. थाना प्रभारी संतोष मरकाम ने बताया कि आरोपी गणेश को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है. आरोपी और पीड़िता के बयान के आधार पर मामले में लिप्त रहे दंपति की तलाश की जा रही है. इसी दंपति ने नाबालिग को आरोपी के पास पहुंचाया था. नाबालिग को एक स्वयंसेवी संस्था में सुरक्षित रखा गया है.

सहारा देने के नाम पर भोपाल लाए थे दंपति

गौरतलब है कि शनिवार को थाने पहुंचकर पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह नाबालिग है और उसकी शादी जबरन आरोपी गणेश के साथ करा दी गई. दुष्कर्म और मारपीट का आरोप लगाते हुए पीड़िता ने एक दंपति की भी जानकारी पुलिस को दी. मूलत: बिहार के सिरसा जिले की रहने वाली नाबालिग अपने माता-पिता से नाराज होकर घर से मार्च 2025 में निकली थी. वह ट्रेन में बैठी थी, तभी उसकी मुलाकात आरोपी दंपति से हुई थी. नाबालिग को सहारा देने के नाम पर आरोपी उसे लेकर भोपाल आए. आरोप है कि यहां उसे आरोपी गणेश के पास छोड़ दिया . मामले में पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या गणेश ने आरोपी दंपति से लड़की की खरीद फरोख्त की थी. आरोप है कि गणेश बीते एक साल से बंधक बनाकर नाबालिग के साथ दुष्कर्म कर रहा था.

सुविधा | महापौर मालती राय और जनप्रतिनिधियों ने किया बस में सफर

भोपाल में ई-बसों का ट्रायल रन हुआ सफल

भोपाल, 20 जुलाई.राजधानी में पीएम ई-बस सेवा के तहत मिली नई इलेक्ट्रिक बसों का सोमवार को ट्रायल रन किया गया. महापौर मालती राय, निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, महापौर परिषद के सदस्यों, जोन अध्यक्षों और पार्षदों ने ई-बस में सफर कर इसकी सुविधाओं और तकनीकी विशेषताओं का जायजा लिया.

इससे पहले विधायक भगवानदास सबनानी ने निगम मुख्यालय अटल भवन परिसर में बसों का निरीक्षण किया.ट्रायल रन निगम मुख्यालय अटल भवन से शुरू होकर लिंक रोड-2, माता मंदिर, न्यू मार्केट, रोशनपुरा, व्हीआईपी रोड, लालघाटी, कलेक्ट्रेट, रॉयल मार्केट, पीरगेट, मोती मस्जिद और रेतघाट होते हुए वापस अटल भवन पहुंचा. इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने बसों की आधुनिक सुविधाओं, यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था और निर्धारित रूट की जानकारी ली.महापौर मालती राय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ग्रीन मोबिलिटी विजन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में भोपाल को पर्यावरण अनुकूल और आधुनिक सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था मिल रही है. उन्होंने विश्वास जताया कि ई-बसों के संचालन से नागरिकों को विश्वस्तरीय परिवहन सुविधा मिलेगी और प्रदूषण कम होगा.

> **10 निर्धारित मार्गों पर चलेंगी 100 ई-बसें**
> पीएम ई-बस सेवा के तहत भोपाल में 100 ई-बसें 10 निर्धारित मार्गों पर चलाई जाएंगी. इनके संचालन के लिए संत हिरदाराम नगर में आधुनिक ई-बस डिपो बनाया गया है . बसों में डिजिटल टिकटिंग, एयर कंडीशनिंग, 5 सीसीटीवी कैमरे, एआई आधारित पैसेंजर काउंटर, दिव्यांगों के लिए ऑटोमैटिक व्हीलचेयर लिफ्ट, पैनिक बटन, इमरजेंसी हैमर, पब्लिक अनाउंसमेंट और पब्लिक इंफॉर्मेशन सिस्टम जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं .